RAVI KANT ANAND (H.O.D)
DEPT. OF GEOGRAPHY

NEPAL

नेपाल का क्षेत्रफल 147181 वर्ग किमी. है। नेपाल तीन ओर अर्थात पूरब, पश्चिम एवम दक्षिण भारत से घिरा हुआ है, तथा नेपाल के उत्तर में चीन से घिरा हुआ है। नेपाल एक प्रतिरोधी राज्य है, जो चीन एवम भारत से घिरा है। नेपाल एक प्रकार से स्थलावद्ध देश है। नेपाल 26°-20' 30°10' उत्तरी अक्षांश और 80°15' - 88°10' पूर्वी देशान्तर के मध्य विस्तृत है। नेपाल की राजधानी काठमाण्डु है। नेपाल की कुल जनसंख्या 2.94 करोड़ है।

नेपाल की धरातल बहुत ही विषम है। यह एक पर्वतीय देश है। इसकी तीन चौथाई भाग पर्वतों के अन्तर्गत आता है। सामान्य रूप से नेपाल को तीन भौतिक इकाईयों में बाँटा जा सकता है। इसका दक्षिणी भाग निम्न उच्चावच वाला मैदान है, जिसे तराई भी कहते हैं। यह तराई प्रदेश 20-250 मी. ऊँचा एक चौरस मैदान है। विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउण्ट एवरेस्ट (8848) m. हिमालय श्रेणी का एक भाग है। नेपाल में इसे सागरमाथा के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हिमालय के अनेक शिखर पाए जाते हैं जिसकी ऊँचाई 7000-8000 मी. तक पाई जाती है।

वृहत हिमालय के दक्षिण में मध्य हिमालय की महाभारत श्रेणी है। यहाँ मध्यम ऊँचाई की पहाड़ियाँ एवम

घाटियाँ का विस्तार है। काठमाण्डु घाटी महाभारत श्रेणी एवम् वृहत हिमालय के मध्य स्थित है।

नेपाल की नदी प्रणालियाँ :- नेपाल की तीन प्रमुख नदी प्रणालियाँ गंडक, कोशी, मांगड़ा या कर्णाली है। नेपाल के नदियों का उद्गम स्थल हिमालय है, जो दक्षिण की ओर बढ़ती हुई भारत में प्रवेश करके गंगा में मिल जाती है। नेपाल के तराई प्रदेश के पूर्वी भाग में कोशी नदी प्रभावित होती है। जिसके कारण यह प्रदेश कोशिकी प्रदेश कहलाता है। नेपाल का मध्य भाग गंडकी प्रदेश कहलाता है। बागमती नदी काठमाण्डु की घाटी में प्रवाहित होती है।

नेपाल की जलवायु :- नेपाल पर्वतीय श्रृंखलाओं से घिरा हुआ है, और विश्व की कुछ ऊँचे - ऊँचे पर्वतों में से कुछ यहाँ विद्यमान है। इसी कारण नेपाल की जलवायु पर उसकी भू-आकृति का गहरा प्रभाव पड़ता है। यहाँ की जलवायु शीत प्रधान है। नेपाल के तराई इलाके को यदि छोड़ दें तो इसके अलावा पूरे नेपाल प्रदेश में निम्न तापमान पाया जाता है। तापमान दक्षिण से उत्तर अर्थात् तराई क्षेत्र से ऊँचे हिमालय श्रेणियों की ओर घटता जाता है। काठमाण्डू घाटी में ठण्डी होती है।

Scanned with CamScanner

नेपाल की प्राकृतिक वनस्पति एवं मिट्टीयाँ :- नेपाल के कुल क्षेत्रफल का मात्र 16% क्षेत्र पर चारागाह पाए जाते हैं। यहाँ की प्राकृतिक वनस्पति भी नेपाल की भू-आकृति से प्रभावित है क्योंकि नेपाल में कही तो बड़े-बड़े पहाड़ हैं, बंजर हैं, तराई इलाके हैं। नेपाल के तराई क्षेत्रों में उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन, मानसूनी वन ~~उष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन~~, (1200-2400 मी०) सदापर्णीय चौड़ी पत्ती (2400-4000) मी० सदापर्णीय शंकुधारी वन (4000 मी० के ऊपर) मिलते हैं। नेपाल के उत्तर की ओर हिमालय की ढालों में शीतोष्ण कटिबंधीय वन पाए जाते हैं। नेपाल के पश्चिमी भाग जहाँ कम वर्षा पाई जाती है। घास के मैदान मिलते हैं।

तराई एवम घाटियों में जलोढ़ मिट्टीयाँ पाई जाती हैं। नेपाल के निचले भागों में लैटेराइट मिट्टियाँ पाई जाती हैं। नेपाल के मध्य पर्वतीय भाग में पोड्जोल मिट्टियाँ पाई जाती हैं।

नेपाल की कृषि :- नेपाल के कुल क्षेत्रफल का लगभग 16% क्षेत्रों में कृषि कार्य होती है, यहाँ निर्वाहक कृषि तथा पशुपालन प्रमुख व्यवसाय हैं। नेपाल की

लगभग 80% जनसंख्या कृषि कार्य में संलग्न है। यहाँ सिंचाई की सुविधा सीमित है इसलिए यहाँ के लोग मानसूनी वर्षा पर निर्भर करते है। यहाँ गेहूँ, चावल, जौ, मक्का, बाजरा, ज्वार इत्यादि प्रमुख रूप से उपजाई जाती है।

नेपाल की प्रमुख नगदी फसल जैसे- गन्ना, तिलहन, तम्बाकू, पटसन (जूट) इत्यादि भी उपजाई जाती है।

नेपाल की 40% कृषि क्षेत्र पूर्वी तराई क्षेत्र में स्थित है। जहाँ नेपाल की 50% से अधिक चावल एवम गन्ना, 95% जूट एवम 80% से अधिक तम्बाकू उपजाया जाता है। नेपाल के पर्वतीय क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के फल, मसाले एवम कुछ स्थानों पर चाय भी उपजाए जाते है।

नेपाल की खनिज एवम ऊर्जा संसाधन :- नेपाल में खनिजों का अभाव पाया जाता है। यहाँ अभ्रक सबसे अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा ताँबा, कोबाल्ट, लौह, धातु एवम लिग्नाइट भी पाए जाते है। पर्वतीय क्षेत्र होने के कारण यहाँ जलविद्युत उत्पादन क्षमता है। परन्तु जितनी मात्रा में जल से विद्युत पैदा होनी चाहिए वो अभी तक नेपाल में नहीं हो पाया है।

Scanned with CamScanner

यहाँ ऊर्जा का एक प्रमुख साधन जलावन की लकड़ी है। उपयोग में लाई गई कुल ऊर्जा का 68% केवल लकड़ी से प्राप्त है।

नेपाल के उद्योग :- नेपाल में औद्योगिक विकास बहुत ही सीमित मात्रा में हुआ है। यहाँ कुल जनसंख्या का 10% ही उद्योगों में काम करते हैं। हाल फिलहाल के समय में यहाँ कृषि तथा वनों पर आधारित उपभोक्ता उद्योगों का विकास हुआ है, यहाँ पर्यटन (Tourism) आय का मुख्य स्रोत में से एक है।

नेपाल की जनसंख्या :- यहाँ जनसंख्या वितरण बहुत ही असमान है। सुदूर पहाड़ी क्षेत्रों में जनसंख्या बहुत ही कम पाई जाती है परन्तु मैदानी एवम तराई क्षेत्रों में जनसंख्या बहुत ही कम पाई जाती है, परन्तु मैदानी एवम तराई क्षेत्रों में जनसंख्या सघन पाई जाती है। नेपाल की कुल जनसंख्या का 40% काठमाण्डु घाटी के आसपास पाए जाते हैं। नेपाल दुनियाँ के गरीब देशों में से एक है और यहाँ की 50% जनसंख्या गरीबी में जी रही है। यहाँ के अधिकांश निवासी इन्डो-नेपाली प्रजाती के पाए जाते हैं। नेवाली, शेर्पा, गोर्खा, भूटिया यहाँ की प्रमुख नृजातियाँ हैं। नेपाल में 88% हिन्दू रहते हैं। इसके अलावा यहाँ बौद्ध एवम मुस्लिम भी हैं।